विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय
संकलनात्मक परीक्षा १
कक्षा : आठवीं

विषय : हिन्दी | पूर्णांक : ५०
तिथि : २३/०९/ २०१६ | समय : २ घंटे

निर्देश सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

'खण्ड क'

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 1×5=5

भाग्य पर भरोसा न करके परिश्रम की पतवार के सहारे ही जीवन नौका में बैठकर संसार- सागर के उस पार पहुँचा जा सकता है। जो आलसी लोग हैं,वे ही 'भाग्य फलति सर्वत्र' का नारा लगाते हैं। वे मनुष्य को नितांत शक्तिहीन और असमर्थ मानते हैं। ऐसे व्यक्ति हीनभावना से ग्रस्त होते हैं तथा स्वयं को असहाय समझते हैं। उन्हें अपने बल पर भरोसा नहीं होता और हाथ-पर- हाथ धरे बैठे रहते हैं। परिश्रम को तिलांजलि देकर वे निराशापूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं। इसके विपरीत भाग्य को ही सफलता की कुंजी मानते हैं। विश्व- विजेता नेपोलियन का कहना है,"भाग्य उन्हीं का साथ देता है जो सबसे अधिक कुशल, सबसे अधिक जागरूक, सबसे अधिक सहासी तथा दृढ़ निश्चयी होते हैं।"ऐसे वीर पुरुषों के सामने हिमालय जैसे ऊँचे पर्वत भी सिर झुका देते हैं। ऐसे ही महापुरुष विषम परिस्थितियों और बड़ी-से-बड़ी बाधाओं को स्वीकार करते हैं। वे नियति को तुच्छ मानते हैं।

क) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
ख) आलसी लोगों का जीवन कैसा होता है ?
ग) भाग्य कैसे व्यक्ति का साथ देता है ?
घ) सफलता प्राप्ति के लिए कौन-कौन से जीवन मूल्य अपनाना आवश्यक है ?
ङ) ' भाग्य फलति सर्वत्र ' का नारा लगाने से क्या नुकसान होगा ?

'खण्ड ख'

2 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। 1×10=10

क) ' अपमानित ' (प्रत्यय बताइए)
ख) ' सुबुद्धि' (उपसर्ग छाँटिए)
ग) ' शौचालय ' वर्ण विच्छेद कीजिए
घ) स् + औ + भ्+ आ + ग्+ य् + अ + श् + आ +ल् + ई वर्णों के मेल से मानक हिंदी शब्द बनाइए।
ङ) आज़ादी के दीवानों ने गाँव गाँव घूमकर जनता को जागरूक किया उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए
च) दस्तावेज फ़ौरन सही स्थान पर नुक्ता लगाइए
छ) स्वच्छंद शुआधार हुनरमंद आकाश अनुस्वार वाले शब्द छाँटिए
ज) गोलिया काच सही स्थान पर अनुनासिक लगाइए
झ) आगामी वर्ष मैं विदेश गया था। वाक्य शुद्ध करके पुन: लिखिए
ञ) 'कोल्हू का बैल' (मुहावरे से वाक्य बनाइए)

'खण्ड ग

3 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

'पत्रों की दुनिया भी अजीबो-गरीब है और उसकी उपयोगिता हमेशा से बनी रही है। पत्र जो काम कर सकते हैं वह संचार का आधुनिकतम साधन नहीं कर सकता है। पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश कहाँ दे सकता है। पत्र एक नया सिलसिला शुरू करते हैं और राजनीति साहित्य तथा कला के क्षेत्रों में तमाम विवाद और नयी घटनाओं की जड़ भी पत्र ही होते हैं। दुनिया का तमाम साहित्य पत्रों पर केंद्रित है और मानव सभ्यता के विकास में इन पत्रों ने अनूठी भूमिका निभाई है। पत्रों का भाव सब जगह एक-सा है भले ही उसका नाम अलग-अलग हो। पत्र को उर्दू में ख़त संस्कृत में पत्र कन्नड में कागदा तेलुगु में उत्तरम् जावू और लेख तथा तमिल में कडिद कहा जाता है। पत्र यादों को सहेजकर रखते हैं इसमें किसी को कोई संदेह नहीं है। हर एक की अपनी पत्र लेखन कला है और हर एक के पत्रों का अपना दायरा। दुनिया भर में रोज़ करोडों पत्र एक दूसरे को तलाशते तमाम ठिकानों तक पहुँचते हैं। भारत में ही रोज़ साढ़े चार करोड़ चिट्ठियाँ डाक में डाली जाती हैं जो साबित करती हैं कि पत्र कितनी अहमियत रखते हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश में से दो अंग्रेज़ी शब्द छाँटिए । 1

(ख) "पत्र जो काम कर सकते हैं , वह संचार का आधुनिकतम साधन नहीं कर सकता है।"इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) पत्र लेखन को कला क्यों माना गया है ? 2

4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 45 शब्दों में लिखिए । 3 2 6

(क) संत कबीर ने 'घास' का उदाहरण देकर मानव को क्या समझाने का प्रयत्न किया है ?

(ख) भगवान के डाकिए और आम डाकिए के कार्यों में क्या अंतर है ?

(ग) शहरीकरण एवं औद्योगिक विकास के कारण ग्रामोद्योग पर पड़े दुष्प्रभाव पर टिप्पणी लिखिए ?

5 'कामचोर' कहानी पढ़ने के बाद आप अपनी आदतों और दिनचर्या में कौन-कौन से बदलाव लाना पसंद करेंगे और क्यों ? लगभग 50 से 60 शब्दों में ? 4

6 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । 3

(क) मालूम हुआ कि पैट्रोल की टंकी में ।

(ख) दीवानों की टोली के आने पर ।

(ग) 'ध्वनि' कविता के कवि ———— जी हैं।

7 नीचे लिखे किन्हीं दो शब्दों की सहायता से दो दो नए शब्द बनाइए । 2

वन गंध सूर्य भाषा

'खण्ड घ'

8 दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 60 70 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए ।विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए। 5

9 बाढ़ के कारण हुई तबाही के संबंध में पिता और पुत्री के मध्य हुई बातचीत को संवाद शैली में लिखिए। (लगभग 60 से 70 शब्दों में) 5

'खण्ड ड' मुक्त पाठ

मनुष्य और जल की बूँद के बीच वार्तालाप चल रहा था। बूँद ने अपनी कहानी सुनाते हुए बताया कि एक दिन मेरे मन में आया कि समुद्र के भीतर चल कर भी देखना चाहिए कि वहाँ का संसार कैसा है। इस कार्य के लिए मैंने गहरे जाना आरंभ कर दिया। "जब मैं समुद्र की गहरी तह में पहुँचीं तो देखा कि वहाँ भी जंगल है। छोटे ठिंगने मोटे पत्ते वाले पेड़ बहुतायत से उगे हुए हैं। वहाँ पर पहाड़ियाँ हैं, घाटियाँ हैं। इन पहाड़ियों की गुफाओं में नाना प्रकार के जीव रहते हैं जो निपट अँधे तथा महा आलसी हैं"। हम लोग अब एक ऐसे स्थान पर पहुँचे जहाँ पृथ्वी का गर्भ रह-रहकर हिल रहा था। एक बड़े ज़ोर का धड़ाका हुआ। हम बड़ी तेज़ी से बाहर फेंक दिए गए। हम ऊँचे आकाश में उड़ चले। इस दुर्घटना से हम चौंक पड़े थे। पीछे देखने से ज्ञात हुआ कि पृथ्वी फट गई है और उसमें धुआँ, रेत ,पिघली धातुएँ तथा लपटें निकल रही हैं। यह दृश्य बड़ा ही भयानक था। " मैं समझ गया। तुम किस की बात कह रही हो। " अब जब हम ऊपर पहुँचे तो हमें एक और भाप का बड़ा दल मिला। हम गरजकर आपस में मिले और आगे बढ़े। पुरानी सहेली आँधी के भी हमें यहाँ दर्शन हुए । वह हमें पीठ पर लादे कभी इधर ले जाती कभी उधर । वह दिन बड़े आनंद के थे। हम आकाश में स्वच्छंद किलोलें करते फिरते थे। बहुत से भाप जल-कणों के मिलने के कारण हम भारी हो चले और नीचे झुक आए और एक दिन बूँद बनकर नीचे कूद पड़े। "

10 'मुक्त पाठ' पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

(क) भाप कब वर्षा की बूँदों के रूप में परिवर्तित हो जाती है ? 1

(ख) समुद्र की गहराई में बसे जंगलों, पहाड़ियों, घाटियों और गुफाओं के विषय में आप क्या जानते हैं ? 2

(ग) 'समुद्री ज्वालामुखी' इस विषय पर टिप्पणी लिखिए। 2